मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली, ठाणे, पालघर, राजस्थान, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी, जौनपुर, भदोही, रायबरेली, प्रतापगढ़, आजमगढ़, अहमदाबाद, मेरठ में वितरित

मेट्रो दिनांक

राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक

महाराष्ट्र सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी

Website : www.metrodinank.com
Email : metrodinank@gmail.com

RNI No. : MAHHIN/2009/35355 POST REGD.NO : MH/MR/NW-143/2018-20

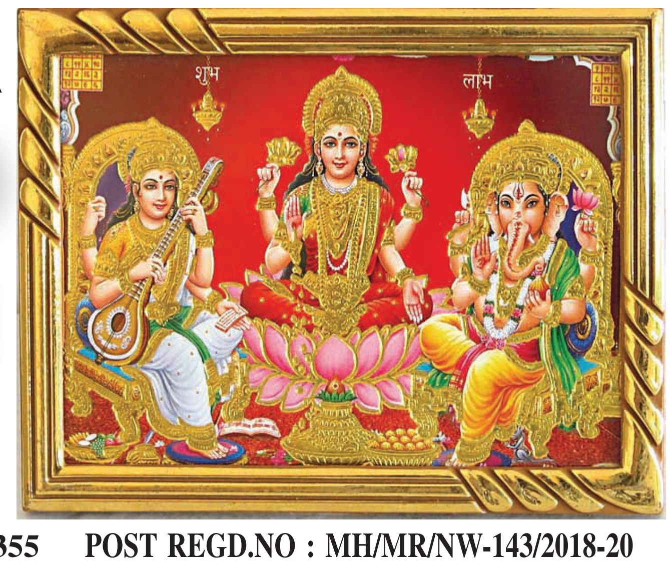

वर्ष : ०९ अंक : ३८ मुंबई, शुक्रवार, ०५ जुलाई से ११ जुलाई २०१९ पृष्ठ : ४ कीमत : दो रुपये

संक्षिप्त समाचार

भाईंदर के व्यापारी की गला घोंटकर हत्या

पालघर : तलासरी पुलिस स्टेशन क्षेत्र के मुंबई-अहमदाबाद हाइवे स्थित चाणक्य नगरी इलाके में भाईंदर के एक व्यापारी की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। हत्यारा व्यापारी के शव को उसी की कार की सीट पर रख कर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, ललित पन्नालाल वखारिया (४८) उमरगांव जाने के लिए निकला था। मंगलवार सुबह उसका शव तलासरी पुलिस ने हाइवे स्थित चाणक्य नगरी के एक खाली प्लॉट से बरामद किया। पुलिस अज्ञात आरोपी तलाश कर रही है।

नदी में बहने से दो लोगों की मौत

पालघर : अलग-अलग दो नदियों में दो लोगों के बह जाने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, कासा के कीन्हवलीगांव स्थित बेजपाडा निवासी कैलाश नागु नडगा (२८) दमण नदी के रास्ते खेत पर जा रहा था। नदी में अचानक पानी बढ़ने से वह बह गया। इसी तरह, जव्हार पुलिस स्टेशन क्षेत्र के राहातेपाडा निवासी काकड बबन उंबरसाडा (५५) घर आते समय साखरतोडी नदी में बह गया।

टेंपो ने मारी नैनो को ठोकर, ३ की मौत

वसई : मुंबई-अहमदाबाद हाइवे के वसई स्थित सातीवली पुल पर एक तेज रफ्तार टेंपो ने आगे चल रही नैनो कार को जोरदार ठोकर मार दी। हादसे में कार में सवार व्यक्ति व उसके दो बेटों की मौत हो गई, जबकि पत्नी गम्भीर रूप से घायल हो गई, जिसका एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। हादसे के बाद भाग रहे टेंपो चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। नायगांव निवासी थॉमस उलेदर (३४) पत्नी, दो बेटों बेली थॉमस (११) व इदरायल थॉमस (७) सहित विरार जा रहे थे।

मॉब लिंचिंग को रोकने के लिए पहल

भिवंडी : मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं को रोकने के लिए भिवंडी पुलिस ने एक विशेष बैठक का आयोजन किया। इसमें मुस्लिम धर्मगुरु मुफ्ती सैय्यद मो. हुजैफा कासमी ने कहा कि वह देश को बचाना चाहते हैं। गर्व की बात है कि अन्य राज्यों की अपेक्षा महाराष्ट्र में अमन-शांति बनी हुई है। भिवंडी पुलिस ने मॉब लिंचिंग के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया है, जिसके तहत शांतिनगर पुलिस स्टेशन में बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में भिवंडी पूर्व विभाग के सहायक पुलिस आयुक्त नितिन कौसडीकर, शांतिनगर पुलिस स्टेशन की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ममता डिसूजा, पुलिस निरीक्षक किरण कबाड़ी सहित मस्जिदों के इमाम एवं उनके ट्रस्टी, स्थानीय नगरसेवक और पुलिस शांतता कमिटी के सदस्य शामिल थे।

कांस्टेबल ने लौटाया रुपये से भरा बैग

ठाणे : ठाणे यातायात पुलिस में तैनात कॉन्स्टेबल ज्ञानेश्वर कुमावत ने ईमानदारी की मिसाल पेश की है। कुमावत ने रास्ते पर मिले १ लाख रुपये उसके मूल मालिक को लौटा दिए। जानकारी के अनुसार, कुमावत राबोडी परिसर में ड्यूटी पर थे, तभी उनकी नजर आकाश गंगा परिसर में रास्ते पड़े काले रंग के बैग पर पड़ी। उन्होंने बैग खोलकर देखा, तो उसमें १ लाख रुपये थे। उसमें रखे कागजों से पता चला कि बैग वासिम अली अंसारी का है। वासिम को बुलाकर बैग लौटा दिया गया।

पिंपरीपाड़ा हादसे की होगी उच्चस्तरीय जांच

मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने दिया आदेश

मृतकों के परिजनों को सरकार और मनपा की तरफ से पांच -पांच लाख रुपए का मुआवजा

दीनानाथ तिवारी

मुंबई : मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि मालाड़ स्थित जलापूर्ति व्यवस्था के पास संरक्षक दीवार गिरने की घटना की उच्च स्तरीय जांच की जाएगी। घटना में मृतकों के परिजनों को सरकार पांच- पांच लाख और मनपा की तरफ से पांच -पांच लाख रुपए मदद के रूप में दिया जाएगा, मंगलवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री फड़नवीस ने यह घोषणा की। राकांपा सदस्य अजित पवार ने स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से मुंबई बारिश का मुद्दा उपस्थित किया, जिसके जबाब में मुख्यमंत्री बोल रहे थे। सीएम फड़नवीस ने कहा कि सोमवार की रात भारी बारिश ने पिछले ४५ वर्ष का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। रात के वक्त चार से पांच घंटे के भीतर ३७५ से ४०० एमएम बारिश हुई। जून महीने में जितनी बारिश होती थी उतना बारिश सिर्फ तीन दिन में हुआ है। मुंबई में बारिश की पानी निकालने के लिए अगर विचार किया जाए तो उसकी क्षमता २४ घंटे में १५० एमएम बारिश हुई तो मनपा योग्य तरीके से काम करेंगी। मुख्यमंत्री फड़नवीस ने कहा कि कम समय में ज्यादा बारिश होने पर व्यवस्था चरमरा जाती है। .मालाड में सोमवार की रात घटी घटना से १८ लोगों की मौत और करीब ७५ लोग घायल हो गए , जिन्हे कांदिवली स्थित शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसमें १४ लोगों को उपचार करने के बाद छुट्टी दे दी गई है। सीएम ने कहा कि मैंने खुद पूरी घटना की जानकारी ली है । नगरविकास राज्य मंत्री योगेश सागर को तत्काल घटना स्थल पर भेजा। उसके बाद अस्पताल में जाकर घायलों से मिलकर उनका हालचाल लिया। इसके बाद मनपा मुख्यालय पहुंचकर डिजास्टर कक्ष से मुंबई की स्थिति पूरा जायजा लिया, जिसमें मुंबई के कई भागों में भारी बारिश की स्थिति थी। सीएम फड़नवीस ने कहा कि मुंबई के जिन भागों में बारिश के कारण पानी जमा हो रहा है वहां मनपा जल्द व्यवस्था करेगी। ब्रिमस्टोवॅड प्रकल्प अंतर्गत मुंबई में सात पंपिंग स्टेशन बनाए जाने वाला था, सात में से पांच पंपिंग स्टेशन का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि पंपिंग स्टेशन बनाने के लिए विभिन्न विभागों की अनुमति की जरूरत पड़ती है। इसमें सीआरजेड, न्यायालय से अनुमति लेने के लिए दि कतें आती है। जिसका उदाहरण माहुल गांव और एक दूसरी जगह पंपिंग स्टेशन लगाने का काम कई सालों से प्रलंबित है । दोनों पंपिंग स्टेशन के सिवाए पानी की समस्या का पूरी तरह से निदान नहीं होगा। दोनों पंपिंग स्टेशन का काम जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री फड़नवीस ने कहा कि मालाड़ जैसी दूसरी घटना न घटे इसके लिए मीठी नदी सहित मुंबई के नालों के आस-पास बनी चार मंजिला झोपड़पट्टी को तत्काल तोड़ने और हटाने और नालों के आस-पास हुए अतिक्रमण को हटाने का विरोध करने वाले लोगो के खिलाफ कड़क कारवाई करने का निर्देश मुंबई मनपा को दिया गया है। इस दौरान सीएम ने कहा कि नाले सफाई को लेकर मनपा नीति तैयार कर प्रशासन को घोषित करे । पिछले तीन साल का पानी डेटा उपलब्ध है । इसके आधार पर मालुम पडेगा कि कहां कितनी बारिश होती है।

मलाड हादसे में अब तक १८ की मौत

भारी बारिश के बाद मलाड के कुरार इलाके में दीवार गिरने से हुए हादसे में मरने वालों की तादाद १८ पहुंच चुकी है। वहीं, ६० से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों का जोगेश्वरी के ट्रॉमा केयर हॉस्पिटल, केईएम हॉस्पिटल, कांदीवली के शताब्दी हॉस्पिटल, मलाड के एमडब्ल्यू देसाई हॉस्पिटल और अंधेरी के कूपर अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर मौजूद है और राहत कार्य चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मृतकों के परिजनों को ५-५ लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। उधर शिवसेना ने मलाड हादसे के पीछे बीएमसी की लापरवाही के आरोपों को खारिज किया है। पार्टी नेता संजय राउत ने कहा कि यह एक हादसा है और इसकी वजह बीएमसी की नाकामी नहीं है। वहीं, कल्याण में बारिश के बाद दीवार गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई।

डॉक्टरों की शिकायत सुनने के लिए काउंसलर की होगी नियुक्ति

मंजु तिवारी

मुंबई : डॉक्टरों की शिकयतों को सुनने के लिए नायर अस्पताल काउंसलर की नियुक्ति करेगा, ऐसा करने वाला नायर अस्पताल मुंबई का पहला अस्पताल होगा। डॉक्टर पायल तडवी आत्महत्या मामले के बाद अस्पताल की तरफ से यह कदम उठाया गया है। आपको बता दें कि डॉ. पायल तडवी आत्महत्या मामले को एक महीने से ज्यादा का समय हो चुका है। इस मामले ने रैगिंग जैसे संवेदनशील मुद्दे पर प्रकाश डाला है। यही नहीं इस मामले में नायर अस्पताल के अधिकारियों से भी पूछताछ की गयी थी, लेकिन वे भी इस मामले में हस्तक्षेप करने में विफल रहे।

इस मामले में घटना के तुरंत बाद एक रैगिंग विरोधी समिति का गठन किया था। इसके अलावा नायर अस्पताल के सभी रेजिडेंट डॉक्टरों की एक बैठक आयोजित की गयी थी, इस बैठक में डीन डॉ. रमेश भारमल ने कहा कि हालिया घटना के कारण अस्पताल का माहौल तनावपूर्ण हो गया है। इसलिए मनोरोग विभाग के डीन और अन्य डॉक्टरों ने अस्पताल में एक दोस्ताना माहौल देने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की। उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि जूनियर और वरिष्ठ डॉक्टर सहकर्मी हैं, उन्हें एक-दूसरे को मैम और सर नहीं कहना चाहिए। उन्होंने तीसरे वर्ष के रेजिडेंट डॉक्टरों से भी कहा कि काम के दबाव के बावजूद उन्हें हमेशा अपने जूनियर डॉक्टरों को की मदद करने के लिए जाना चाहिए, क्योंकि मरीजों के साथसाथ रेजिडेंट डॉक्टरों की भी सहायता करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने आगे कहा कि नायर अस्पताल जल्द ही डॉक्टर की शिकायत को हल करने के लिए एक काउंसलर की नियुक्ति करेगा और रैगिंग के किसी भी मामले की सूचना पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आपको बता दें कि अगर नायर अस्पताल काउंसलर की नियुक्ति करता है तो वह मुंबई में डॉक्टरों के लिए ऐसा करने वाला पहला अस्पताल होगा।

राज्य की जेलों में क्षमता से ३७ फीसदी अधिक कैदी

कर्ण हिंदुस्तानी

मुंबई : राज्य के ५४ जेलों में क्षमता से अधिक कैदी साबित करता है कि राज्य में अपराध के प्रतिशत में लगातार इजाफा हो रहा है। मंगलवार को विधिमंडल में पेश हुए कैग रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। कैग रिपोर्ट के अनुसार राज्य के ५४ जेलों में कैदियों को रखने की क्षमता २३९४२ है ,जबकि २०१७-१८ में जेलों में ३२८१० कैदी बंद हैं। इससे यह साबित होता है कि जेलों की क्षमता के ३७ फीसदी ज्यादा कैदी जेलों में बंद है। ३१ मार्च २०१८ को समाप्त हुए वर्ष की भारतीय नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (कैग) सदन में पेश हुए रिपोर्ट के मुताबिक ९ मध्यवर्ती कारागृहों में २०१३-१४ में १८५७७ कैदी थे , जो २०१७-१८ में बढ़ कर २३०२३ हो गए। इन जेलों में कैदियों के रखने की क्षमता १४८४१ थी। इसी तरह ९ जिला कारागृह वर्ग -वन के जेलों में २०१३-१४ में ४०९७ कैदी थे, वे २०१७-१८ में बढ़ कर ४३८१ हो गए। जबकि इन जेलों में कैदियों के रखने की क्षमता सिर्फ ३३८६ थी। इसी तरह १६ जिला कारागृह वर्ग दो के जेलों में २०१३ -१४ में ३३३८ थी, जो २०१७-१८ में बढ़ कर ३८०४ हो गए। इन जेलों में सिर्फ १८५ कैदी रखे जा सकते हैं। २ जिला कारागार वर्ग तीन के जेलों में वर्ष २०१३-१४ में २१९ कैदी थे, जो २०१७-१८ में घट कर २१८ हो गए। १ महिला कारगृह में २०१३-१४ में कैदियों की संख्या ३४० थी, जो २०१७- १८ में घट कर ३०९ रह गई। इस महिला जेल में सिर्फ २६२ कैदियों को रखने की क्षमता है। वहीं कैग के रिपोर्ट के अनुसार पिछले पांच साल में ४५ कैदियों की आप्रकृतिक मौत हो गई है। वर्ष २०१३-१८ के बीच विभिन्न जेलों में बंद ४५ कैदियों की आकस्मिक मृत्यु हुई है इसमें ४० कैदियों ने आत्महत्या की है जबकि ५ कैदियों की जेल में हत्या कर दी गई है। वहीं मध्यवर्ती कारागृह और सुधार केंद्र में पुणे ७ मुंबई ३ और नाशिक के जेल में २ कैदी की आकस्मिक मौत हुई है, जबकि भायखला स्थित जेल में २०१६ -१७ में एक महिला कैदी की आकस्मिक मौत का मामला सामने आया था।

पैंट की चेन खोलकर अश्लील हरकत कर रहा था कैब ड्राइवर, युवती ने कराया गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई में २१ साल की युवती के साथ कैब के अंदर अश्लील हरकत का मामला सामने आया है। पीड़ित युवती पिछले हफ्ते अपने परिवार के साथ प्रभादेवी इलाके से साउथ मुंबई के लिए जा रही थी। युवती ने टैक्सी ड्राइवर की करतूत का विडियो बनाकर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड कर दिया। विडियो को ९७ हजार से ज्यादा लोगों ने देखा और रविवार को दादर पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित युवती कॉर्पोरेट लॉ में काम करती है। २७ जून को वह अपनी मां और बहन के साथ सिद्धिविनायक मंदिर दर्शन के लिए गई थी। सुबह ९.१० बजे उन्होंने मंदिर के बाहर बैरिकेड्स के पास से एक कैब बुक की। पीड़ित युवती ड्राइवर के साथ आगे की सीट पर जबकि उसकी मां और बहन पीछे की सीट पर बैठीं।

पीड़ित युवती ने हमारे सहयोगी हम नरीमन पॉइंट जाना चाहते थे। कैब ड्राइवर ने शुरुआत के कुछ मिनटों तक अच्छा बर्ताव किया। इसके बाद वह अपने पैंट की चेन खोलकर अश्लील हरकत करने लगा। अचानक हुए इस वाकये से मैं सन्न रह गई और परिजनों से भी कुछ कहते नहीं बन रहा था। मेरी बहन म्यूजिक सुन रही थी और मेरी मां खिड़की के बाहर देख रही थी।' करीब १० मिनट बाद युवती ने अपना फोन निकाला और ड्राइवर की करतूत को रिकॉर्ड करना शुरू किया। युवती ने बताया, 'मैंने बार-बार उससे गाड़ी रोकने को कहा, जिससे हम नीचे उतर सकें लेकिन वह नहीं माना। ड्राइवर ने कहा कि अगर वह बीच रास्ते में उतार देगा तो हमें दूसरी कैब करनी होगी। इसलिए हम लोगों को इसी कैब से चलना होगा।

संपादकीय

गुंडागर्दी के खिलाफ

बीते एक सप्ताह की कुछ घटनाओं ने जिन्हें काफी आहत किया था, मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान से उन्हें जरूर कुछ राहत मिली होगी। प्रधानमंत्री का यह

कहना कि मनमानी नहीं चलेगी, काफी उम्मीद बंधाता है। बेशक उन्होंने भाजपा संसदीय दल की बैठक में इंदौर की उस घटना का जिक्र नहीं किया, जिसमें पार्टी के एक विधायक ने एक नगरपालिका अधिकारी को सरेआम क्रिकेट बैट से न केवल पीटा, बल्कि बाद में उसे जायज ठहराते हुए यह भी कहा कि उन्होंने जो किया, काफी सोच-समझकर किया। जिस समय वह अपने कर कमलों द्वारा किए गए इस कृत्य को जायज ठहरा रहे थे, उस समय उनके इस काम का वीडियो सोशल मीडिया पर देखे जाने के तमाम रिकॉर्ड तोड़ रहा था। हंगामा बढ़ने पर विधायक को गिरफ्तार कर लिया गया और फिर जब वह जमानत पर छूटे, तो पार्टी के कुछ लोगों ने उनके स्वागत के लिए बाकायदा एक आयोजन कर डाला।

जिस विधायक ने इस काम को अंजाम दिया, उनका एक और परिचय यह है कि वह भाजपा के एक वरिष्ठ केंद्रीय पदाधिकारी के सुपुत्र भी हैं। और घटना के बाद पिता भी अपने पुत्र का बचाव करते दिखाई दिए थे। मंगलवार का बयान यही बताता है कि इस पूरे घटनाक्रम से खुद प्रधानमंत्री भी उतने ही आहत हैं, जितने देश के अन्य लोग। उन्होंने कहा कि बेटा चाहे जिसका भी हो, ऐसा काम करने वाले को पार्टी से निकाल दिया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री यहीं नहीं रुके, उन्होंने इसमें यह भी जोड़ दिया कि जिन लोगों ने जमानत के बाद बाहर आने पर उनका स्वागत किया, उन्हें भी पार्टी से निकाल दिया जाना चाहिए। उन्होंने जिस तरह जोर देकर ये बातें कही हैं, उनसे लगता है कि वह सिर्फ औपचारिकता नहीं निभा रहे थे। इसी से उम्मीद भी बंधती है कि उनकी बात का असर दूर तक होगा और सिर्फ भाजपा ही नहीं, अन्य दलों को भी इसे गंभीरता से लेना होगा।

प्रधानमंत्री जब राजनीतिकों की मनमानी और गुंडागर्दी पर सख्त संदेश देते हैं, तो इससे उम्मीद जरूर बंधती है, लेकिन इन प्रवृत्तियों को राजनीति से खत्म करना इतना आसान भी नहीं है। यह किसी एक पार्टी या प्रदेश की समस्या भी नहीं है। लगभग हर पार्टी और हर प्रदेश इस समस्या से ग्रस्त है। कुछ प्रदेशों में यह समस्या कभी-कभार ज्यादा ही दिखाई देने लगती है, लेकिन है सभी जगह। यह कोई आजकल में पैदा हुई समस्या नहीं, बल्कि बहुत पुरानी है और इसलिए इसकी जड़ें हर जगह और बहुत नीचे तक हैं। राजनीति के बहुत निचले से लेकर बहुत ऊपर के स्तर तक यह हर जगह देखी जा सकती है। जाहिर है, ऐसी समस्या को खत्म करना आसान नहीं होगा। फिर भी इस समस्या को खत्म करने की सबसे ज्यादा उम्मीद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ही बांधी जा सकती है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि मोदी को सीधे जनता के विशाल बहुमत का समर्थन हासिल है। वह उन क्षेत्रों की तरह नहीं हैं, जिनकी राजनीति इस तरह के बाहुबल से ऑक्सीजन हासिल करती रही है। देश में राजनीतिक गुंडागर्दी कोई छिपी हुई चीज नहीं है। लोग भी इस हकीकत को अच्छी तरह जानते हैं और ऐसी ही कुछ उम्मीदों से विशाल जनादेश दिया था। इसीलिए मोदी का मंगलवार का बयान राहत देता है। लेकिन असल राहत की ओर हम तब बढ़ेंगे, जब ऐसे संकल्प समाज की हकीकत बन जाएंगे।

पेशी पर नहीं पहुंचे राहुल गांधी
कांग्रेस बोली-नहीं मिला समन

राहुल गांधी को एक रैली के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के मामले में रांची की एक दीवानी अदालत ने समन जारी किया था. आरोप है कि राहुल गांधी ने रांची के मुरादाबादी मैदान में तीन मार्च की रैली के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था और चुटकी लेते हुए कहा था कि तीनों मोदी चोर हैं. हालांकि उन्होंने खुलकर किसी का नाम नहीं लिया था. माना जा रहा है कि राहुल गांधी के तीनों मोदी का मतलब नीरव मोदी, ललित मोदी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी था. इस बयान को लेकर एडवोकेट प्रदीप मोदी ने शिकायत दर्ज कराई थी. उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के इस बयान से वो आहत हुए हैं. इस मामले पर सुनवाई करते हुए प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने राहुल गांधी को समन जारी किया था. साथ ही राहुल गांधी से तीन जुलाई को कोर्ट में पेश होने को कहा था, लेकिन वो बुधवार को पेश नहीं हुए. राहुल गांधी की ओर से कोई वकील भी कोर्ट में पेश नहीं हुआ. शिकायतकर्ता प्रदीप मोदी के वकील कुशल अग्रवाल ने कहा कि राहुल गांधी के पेश नहीं होने पर कोर्ट ने अब समन को ७ दिन के अंदर एग्जीक्यूट करने का आदेश दिया है. वहीं, कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी को किसी भी तरह का समन नहीं मिला है. राहुल गांधी के कोर्ट में नहीं पेश होने का यह मामला उस समय सामने आया है, जब उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है. राहुल गांधी ने जो इस्तीफा लिखा था, उसको अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट भी किया है. उन्होंने इसमें लिखा, 'कांग्रेस पार्टी के लिए काम करना मेरे लिए गर्व की बात है. कांग्रेस पार्टी की विचारधारा हमेशा से भारत जैसे खूबसूरत देश की सेवा करना रही है. मैं कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष के रूप में लोकसभा चुनाव २०१९ में पार्टी की हार की जिम्मेदारी लेता हूं. पार्टी को भविष्य में आगे बढ़ाने के लिए हार की जिम्मेदारी तय करना जरूरी है. इसलिए मैंने पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया है.'

बेटी की शादी की दूसरी सालगिरह के दिन मां को मिली ऐसी खबर, पैरों तले खिसक गई जमीन

नई बस्ती में रहने वाली विवाहिता रूबी गर्ग का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता हुआ मिला। मृतका की मां रेशमा और बहन ममता ने ससुराल परिवार पर विवाहिता की हत्या करने का आरोप लगाया है। थाना कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पति, सास, ससुर के खिलाफ केस दर्ज किया है। मृतका की मां रेशमा ने बताया कि उसकी बेटी रूबी की शादी दो वर्ष पूर्व पुनीत के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल परिवार वालों ने दहेज को लेकर रूबी को परेशान करना शुरू कर दिया था। करीब दस दिन पहले दामाद पुनीत का उनके पास फोन आया था कि अगर तुम अपनी बेटी रूबी को न लेकर गए तो कुछ और बात बन जाएगी। आज उन्हें सूचना मिली कि रूबी ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूबी की हत्या करने के बाद उसके पति पुनीत और सास ने शव को फंदे से लटका दिया। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दविंदर सिंह ने बताया रूबी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में उसके पति पुनीत गर्ग, सास शशिबाला, ससुर जगदीश के खिलाफ केस दर्ज किया है। मृतका की मां रेशमा ने बताया कि बुधवार को रूबी की दूसरी सालगिरह थी। इसके लिए रूबी ने कई तरह के सपने सजाए थे।

देश भर में अब तक ISIS से कनेक्शन में १६० आरोपी गिरफ्तार, NIA ने ११० को पकड़ा

राष्ट्रीय जांच एजेंसी और राज्यों की पुलिस ने आईएस के सदस्यों के लिए सहानुभूति रखने वाले लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं. ये जानकर हैरान हो जाएंगे कि पूरे देश में अब तक १६० लोगों को गिरफ्तार किया है. इनमें दक्षिणी राज्यों की सुरक्षा एजेंसियों द्वारा गिरफ्तार लोगों समेत सहित विभिन्न राज्यों के लोग शामिल हैं.आतंकवाद से निपटने के लिए भारत सख्त से सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हट रहा. न केवल आईएस बल्कि इनके सदस्यों के लिए सहानुभूति रखने वाले लोगों के खिलाफ भी कड़े कदम उठाए जा रहे हैं. इराक और सीरिया के इस्लामिक स्टेट दाएश को एक आतंकवादी संगठन के रूप में जाना जाता है और केंद्र सरकार द्वारा गैरकानूनी गतिविधियों (रोकथाम) अधिनियम १९६७, की पहली अनुसूची में शामिल किया गया है.

आई.एस अपने विचारधारा फैलाने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहा है. इसके सदस्य इंटरनेट की मदद से सोशल मीडिया के जरिए मासूम लोगों को अपनी विचारधारा से गुमराह करने में लगे हैं. इस बात का ध्यान रखते हुए एजेंसियां साइबर स्पेस को बारीकी से देख रही हैं और कानून के अनुसार कार्रवाई की जा रही है.

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आई.एस से संबंधित २७ मामले दर्ज किए हैं. इन २७ मामलों में कुल ११० आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. कुल २७ मामलों में से १८ मामले दक्षिण भारत के हैं जिनमें ५६ लोगों को गिरफ्तार किया है.

चरस पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला, हेड कांस्टेबल का फोड़ दिया सिर, दस टांके लगे

गुप्त सूचना के आधार पर चरस पकड़ने चुराह उपमंडल के देहग्रां पहुंची पुलिस टीम पर गांव वालों ने हमला कर दिया। मंगलवार को हुई इस घटना में एक पुलिस कर्मी को चोटें आई हैं। घायल पुलिस कर्मी को सिविल अस्पताल तीसा में प्राथमिक उपचार दिया गया। खबर लिखे जाने तक पुलिस ने किसी के भी खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया था। जानकारी के अनुसार मंगलवार को पुलिस टीम को सूचना मिली कि देहग्रां से कोई व्यक्ति चरस तस्करी की फिराक में है। सूचना मिलते ही तीन-चार सदस्यों की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने सादे कपड़े में निगरानी शुरू कर दी। इसी दौरान अचानक ग्रामीणों की टोली पुलिस टीम पर बरस पड़ी। ग्रामीणों के हमले की सूचना मिलने के बाद पुलिस के अन्य कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे। गौरतलब है कि नशे के खिलाफ चंबा पुलिस ने अभियान छेड़ा है। इस अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलताएं भी हाथ लगी हैं।

हाई प्रोफाइल मर्डर, दो बाहुबली, १४ साल कारावास और फिर पलट गई थ्योरी

बीजेपी के विधायक कृष्णानंद राय की हत्या के मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सभी पांच आरोपियों को बरी कर दिया है. बता दें, २००५ में हुई इस हत्या का आरोप बसपा विधायक मुख्तार अंसारी, मुन्ना बजरंगी समेत ५ लोगों पर था. इसमें से मुन्ना बजरंगी की बीते दिनों जेल में हत्या कर दी गई थी. इस मामले में कोर्ट का यह फैसला मुख्तार अंसारी के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है. मुख्तार अंसारी अपराध की दुनिया से राजनीति में आकर पूर्वांचल के रॉबिनहुड बन गए. हालांकि आज भी प्रदेश के माफिया और बाहुबली नेताओं में मुख्तार अंसारी का नाम पहले पायदान पर माना जाता है.

मुख्तार अंसारी का जन्म यूपी के गाजीपुर जिले में ही हुआ था. उनके दादा मुख्तार अहमद अंसारी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहे. जबकि उनके पिता एक कम्यूनिस्ट नेता थे. राजनीति मुख्तार अंसारी को विरासत में मिली. किशोरवस्था से ही मुख्तार निडर और दबंग रहे. उन्होंने छात्र राजनीति में कदम रखा और सियासी राह पर चल पड़े. कॉलेज में उन्होंने एक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा कुछ खास नहीं किया. लेकिन राजनीति विज्ञान के एक सेवानिवृत्त प्रोफेसर बी.बी. सिंह के मुताबिक वह एक आज्ञाकारी छात्र थे. १९७० में सरकार ने पिछड़े हुए पूर्वांचल के विकास के लिए कई योजनाएं शुरु कीं. जिसका नतीजा यह हुआ कि इस इलाके में जमीन कब्जाने को लेकर दो गैंग उभर कर सामने आए. १९८० में सैदपुर में एक प्लॉट को हासिल करने के लिए साहिब सिंह के नेतृत्व वाले गिरोह का दूसरे गिरोह के साथ जमकर झगड़ा हुआ. यह हिंसक वारदातों की श्रृंखला का एक हिस्सा था. इसी के बाद साहिब सिंह गैंग के ब्रजेश सिंह ने अपना अलग गिरोह बना लिया और १९९० में गाजीपुर जिले के तमाम सरकारी ठेकों पर कब्जा करना शुरू कर दिया. अपने काम को बनाए रखने के लिए बाहुबली मुख्तार अंसारी का इस गिरोह से सामना हुआ. यहीं से ब्रजेश सिंह के साथ इनकी दुश्मनी शुरू हो गई.

अपराध की दुनिया में कदम

१९८८ में पहली बार हत्या के एक मामले में मुख्तार अंसारी का नाम आया था. हालांकि उनके खिलाफ कोई पुख्ता सबूत पुलिस नहीं जुटा पाई थी. लेकिन इस बात को लेकर वह चर्चाओं में आ गए थे. १९९० का दशक मुख्तार अंसारी के लिए बड़ा अहम था. छात्र राजनीति के बाद जमीनी कारोबार और ठेकों की वजह से वह अपराध की दुनिया में कदम रख चुके थे. पूर्वांचल के मऊ, गाजीपुर, वाराणसी और जौनपुर में उनके नाम का सिक्का चलने लगा था.

राजनीति में पहला कदम और गैंगवार

१९९५ में मुख्तार अंसारी ने राजनीति की मुख्यधारा में कदम रखा. १९९६ में मुख्तार अंसारी पहली बार विधान सभा के लिए चुने गए. उसके बाद से ही उन्होंने ब्रजेश सिंह की सत्ता को हिलाना शुरू कर दिया. २००२ आते आते इन दोनों के गैंग ही पूर्वांचल के सबसे बड़े गिरोह बन गए. इसी दौरान एक दिन ब्रजेश सिंह ने मुख्तार अंसारी के काफिले पर हमला कराया. दोनों तरफ से गोलीबारी हुई इस हमले में मुख्तार के तीन लोग मारे गए. ब्रजेश सिंह इस हमले में घायल हो गए थे. उसके मारे जाने की अफवाह थी. इसके बाद बाहुबली मुख्तार अंसारी पूर्वांचल में अकेले गैंग लीडर बनकर उभरे. मुख्तार चौथी बार विधायक हैं.

ब्रजेश सिंह की वापसी

हालांकि बाद में ब्रजेश सिंह जिंदा पाए गए और फिर से दोनों के बीच झगड़ा शुरू हो गया. अंसारी के राजनीतिक प्रभाव का मुकाबला करने के लिए ब्रजेश सिंह ने भाजपा नेता कृष्णानंद राय के चुनाव अभियान का समर्थन किया. राय ने २००२ में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मोहम्मदाबाद से मुख्तार अंसारी के भाई और पांच बार के विधायक अफजाल अंसारी को हराया था. बाद में मुख्तार अंसारी ने दावा किया कि कृष्णानंद राय ने ब्रजेश सिंह के गिरोह को सरकारी ठेके दिलाने के लिए अपने राजनीतिक कार्यालय का इस्तेमाल किया और उन्हें खत्म करने की योजना बनाई.

मुस्लिम वोट का सहारा और गिरफ्तारी

मुख्तार अंसारी ने गाजीपुर और मऊ क्षेत्र में चुनाव के दौरान उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए मुस्लिम वोट बैंक का सहारा लिया. उनके विरोधियों ने जाति के आधार पर विभाजित हिंदू वोटों को एकजुट करने की कोशिश की. इसके बाद पूर्वांचल में कई आपराधिक घटनाएं और सांप्रदायिक हिंसा की वारदात हुईं. ऐसे ही एक दंगे के बाद मुख्तार अंसारी पर लोगों को हिंसा के लिए उकसाने के आरोप लगे और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया.

कृष्णानंद राय हत्याकांड और आपराधिक मामले

मुख्तार अंसारी जेल में बंद थे. इसी दौरान बीजेपी विधायक कृष्णानंद राय को उनके ६ अन्य साथियों को सरेआम गोलीमार हत्या कर दी गई. हमलावरों ने ६ एके-४७ राइफलों से ४०० से ज्यादा गोलियां चलाई थीं. मारे गए सातों लोगों के शरीर से ६७ गोलियां बरामद की गई थीं. इस हमले का एक महत्वपूर्ण गवाह शशिकांत राय २००६ में रहस्यमई परिस्थितियों में मृत पाया गया था. उसने कृष्णानंद राय के काफिले पर हमला करने वालों में से अंसारी और बजरंगी के निशानेबाजों अंगद राय और गोरा राय को पहचान लिया था.

कृष्णानंद राय की हत्या के बाद मुख्तार अंसारी का दुश्मन ब्रजेश सिंह गाजीपुर-मऊ क्षेत्र से भाग निकला था. २००८ में उसे उड़ीसा से गिरफ्तार किया गया था. २००८ में अंसारी को हत्या के एक मामले में एक गवाह धर्मेंद्र सिंह पर हमले का आरोपी बनाया गया था हालांकि बाद में पीड़ित ने एक हलफनामा देकर अंसारी के खिलाफ कार्यवाही रोकने का अनुरोध किया था. २०१२ में महाराष्ट्र सरकार ने मुख्तार पर मकोका लगा दिया था. उनके खिलाफ़ हत्या, अपहरण, फिरौती सहित जैसे कई आपराधिक मामले दर्ज हैं.

बसपा के साथ सफर

२००७ में मुख्तार अंसारी और उनके भाई अफजाल बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में शामिल हो गए. उन दोनों को पार्टी में आने की इजाजत इसलिए मिली क्योंकि उन्होंने दावा किया था कि वे झूठी 'सामंती व्यवस्था' के खिलाफ लड़ रहे थे और इसी वजह से उन्हें आपराधिक मामलों में फंसाया गया था. उन्होंने किसी आपराधिक गतिविधि में भाग लेने से परहेज करने का वादा भी किया था. बसपा प्रमुख मायावती ने रॉबिनहुड के रूप में मुख्तार अंसारी को प्रस्तुत किया और उन्हें गरीबों का मसीहा भी कहा था. मुख्तार अंसारी ने जेल में रहते हुए बसपा के टिकट पर वाराणसी से २००९ का लोकसभा चुनाव लड़ा मगर वह भाजपा के मुरली मनोहर जोशी से १७,२११ मतों के अंतर से हार गए. उन्हें जोशी के ३०.५२ℨ मतों की तुलना में २७.९४ℨ वोट हासिल हुए थे.

बसपा से निष्कासन

२०१० में अंसारी पर राम सिंह मौर्य की हत्या का आरोप लगा. मौर्य, मन्नत सिंह नामक एक स्थानीय ठेकेदार की हत्या का गवाह था. जिसे कथित तौर पर २००९ में अंसारी के गिरोह ने मार दिया था. जब पार्टी को अहसास हुआ कि मुख्तार और उनके भाई अब भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं तो दोनों भाइयों को २०१० में बसपा से निष्कासित कर दिया गया.

कौमी एकता दल का गठन

बसपा से निष्कासित कर दिए जाने के बाद दोनों भाइयों को अन्य राजनीतिक दलों ने अस्वीकार कर दिया. तब तीनों अंसारी भाइयों मुख्तार, अफजाल और सिगबतुल्लाह ने २०१० में खुद की राजनीतिक पार्टी कौमी एकता दल (ॐ) का गठन किया. इससे पहले मुख्तार ने हिन्दू-मुस्लिम एकता पार्टी नामक एक संगठन शुरू किया था. जिसका विलयॐ में कर दिया गया था. मार्च २०१४ में अंसारी ने घोसी के साथ-साथ और वाराणसी से नरेंद्र मोदी के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की थी. हालांकि चुनाव के पहले उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस लेते हुए कहा था कि उन्होंने धर्मनिरपेक्ष वोट का विभाजन रोकने के लिए ऐसा किया है.

लोग कहते हैं गरीबों का मसीहा

मुख्तार अंसारी विधान सभा सदस्य के तौर पर मिलने वाली विधायक निधि से २० गुना अधिक पैसा अपने निर्वाचन क्षेत्र में खर्च करते रहे हैं. उन्होंने मऊ और अन्य क्षेत्रों में विकास के कई बड़े काम करवाए हैं. मुख्तार ने बतौर विधायक क्षेत्र में सड़कों, पुलों, और अस्पतालों के अलावा एक खेल स्टेडियम का निर्माण भी कराया है. साथ ही वे अपनी निधि का ३०ℨ निजी और सार्वजनिक स्कूलों और कॉलेजों पर भी खर्च करते आए हैं. पूर्वांचल के एक लेखक गोपाल राय के मुताबिक अंसारी ने व्यक्तिगत रूप से उनके बेटे को एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर बनाने में कैसे उनकी की मदद की वे कभी नहीं भूल सकते. ऐसे ही एक और आदमी की पत्नी के दिल का ऑपरेशन के लिए उन्होंने सारा पैसा दिया था. मुख्तार अंसारी का पूरा परिवार क्षेत्र में होने वाली गरीबों की बेटियों की शादी के लिए दहेज का पूरा भुगतान करते हैं.

मुख्तार की हत्या के लिए ६ करोड़ की सुपारी

बाहुबली मुख्तार अंसारी की हत्या के लिए एक बड़ी साजिश रची गई थी. जिसका खुलासा २०१४ में हुआ. ब्रजेश सिंह ने अंसारी को मारने के लिए लंबू शर्मा को ६ करोड़ रुपये की सुपारी दी थी. ये अहम खुलासा लंबू शर्मा की गिरफ्तारी के बाद हुआ था. इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जेल में अंसारी की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी. सुपारी के खुलासे के बाद पूर्वांचल में यूपी पुलिस क्राइम ब्रांच और स्पेशल टास्क फोर्स ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी थी. अभी भी पेशी पर या विधानसभा सत्र के लिए जाते समय मुख्तार की सुरक्षा बहुत कड़ी रखी जाती है.

रात साढ़े 3 बजे पिस्टल लहराते दवा दुकान में घुसे बदमाश, कैश लेकर फरार

दिल्ली : दिल्ली के न्यूफ्रेंड्स कॉलोनी इलाके में बदमाशों ने २४ घंटे खुली रहने वाली एक दवा दुकान को निशाना बनाया है. सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को करीब ३ बजकर ४२ मिनट पर तीन बदमाश एक मेडिकल शॉप में बदमाश घुसते हैं. इनमें से एक के पास पिस्टल होती है, दुकान में घुसते ही उसने पिस्टल तान दिया. एक बदमाश ने हेलमेट पहना होता है, जबकि दो ने चेहरे ढके होते हैं. ये बदमाश अपनी पिस्टल लहराते हुए कैश काउंटर को खंगालते है और फिर करीब १ लाख रुपये लेकर फरार हो जाते हैं. इस बीच में जब दुकान के मालिक और स्टाफ ने विरोध करने की कोशिश की तो बदमाशों ने उनपर पिस्टल तान दी. कुछ ही मिनटों में ये बदमाश अपना काम कर चलते बने.

आवश्यकता है

मुंबई, ठाणे, कल्याण, नवी मुंबई, पालघर, इलाहाबाद, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, प्रतापगढ, आजमगढ़, लखनऊ इत्यादि जिलों से अंशकालिक संवाददाताओं की आवश्यकता है। संपर्क करें :

संपर्क : मो. ९८२१२८७९०५, ९३२२२४८३५३-९१६७००९६२९

Email : metrodinank@gmail.com

Advertisment Rates

Rs. 1000/- 1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 2 Month+1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 3 Month+2 Month (Five lines)

Size	B/W (Rs.)	4 Col. (Rs.)
Full Page	30,000	50,000
Half Page	16,000	30,000
Quarter Page	8,000	16,000
V card size	4,000	9,000

MEMBERSHIP
5 Year - 1000 Life time - 3000
Note : Please Issue Cheque, Cash & DD in the name of "Metro Dinank"

प्रकाशक, मुद्रक- श्रीमती मंजू दीनानाथ तिवारी द्वारा स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम.तिवारी, द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस 7, उद्योग भवन, शर्मा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बालभट्ट रोड गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज मालाड (पूर्व), मुंबई- 97 से प्रकाशित। संपादक - दीनानाथ एम. तिवारी, **कार्यकारी संपादक-** कर्ण हिन्दुस्तानी, **उपसंपादक-** शिवशंकर तिवारी, संतोष तिवारी, राजेश पाल **संरक्षक-** वसंत सेठिया, शैलेश देसाई, दयाराम पाल, राजेंद्र आर. पाल, जया पेंगल, राजकुमार यादव, सुशील पाण्डेय (सी.ए.) - **चीफ एड डिपार्टमेन्ट-** निलेश पांडे **वितरक-**सुचित कुमार (मंत्रालय, पुलिस, मनपा, रेलवे, ओल्ड कस्टम हाऊस)

उत्तर प्रदेश ब्यूरो चीफ : बी. के. मिश्रा / सी. एस. तिवारी
कानून सलाहकार- डी.के. पाण्डेय, एड. किशोर डेढिया, जे.पी. शर्मा, एस.के. दुबे, के.के. शुक्ला, **संपर्क : टेलीफैक्स** 022-29656280,
मो. 9821287905, 9322248353-9167009629
Email : metrodinank@gmail.com
Post Regd.NoMH/MR/NW~-143/2009
नोटिस, नामपरिवर्तन, गजट, व्यवसायिक विज्ञापन आदि छपवाने के लिए संपर्क करें

दाऊद का करीबी सहयोगी रियाज भाटी मुंबई में गिरफ्तार

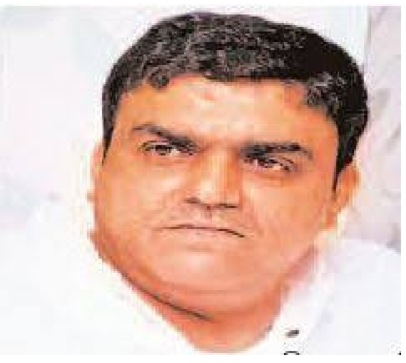

मुंबई : मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन सेल (एईसी) ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के करीबी सहयोगी रियाज भाटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का आरोप है कि भाटी ने मुंबई क्रिकेट असोसिएशन (एमसीए) की सदस्यता पाने के लिए कथित रूप से फर्जी दस्तखत किए थे।

इस मामले में केस भी दर्ज हुआ था। भाटी मुंबई पुलिस द्वारा कई अन्य गंभीर अपराधों के लिए वॉन्टेड था, पिछले साल एईसी ने उसके खिलाफ केस दर्ज किया था। रियाज पेशे से एक बिल्डर है और छोटे बच्चों के लिए मुंबई में 'इंडियन स्पोर्ट्स अकादमी' नाम से एक स्पोर्ट्स अकादमी चलाता है। बॉलिवुड और राजनीति में उसकी गहरी पैठ है। पाकिस्तान के राजनयिक पुरजोर कोशिश कर रहे हैं कि डी-कंपनी के सहयोगी जाबिर मोतीवाला का अमेरिका को प्रत्यर्पण रोका जा सके। अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई के इनपुट्स पर मोतीवाला को २०१८ में लंदन में गिरफ्तार किया था। इसके बाद एफबीआई ने वहां की वेस्टमिन्स्टर कोर्ट में मोतीवाला के प्रत्यर्पण की अपील की थी। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान नहीं चाहता कि मोतीवाला अमेरिका को सौंपा जाए, क्योंकि उसे दाऊद और पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई के रिश्तों के उजागर होने का खतरा है। लंदन की वेस्टमिन्स्टर कोर्ट में सोमवार को मोतीवाला के प्रत्यर्पण मामले की सुनवाई हुई। डी-कंपनी के वकील ने अदालत से कहा कि मोतीवाला गहरे अवसाद से गुजर रहा है। वकील ने कहा कि मोतीवाला मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग तस्करी और अंडरवर्ल्ड अपराधों से जुड़े मामलों का सामना करने के लिए हवाई यात्रा कर अमेरिका नहीं जा सकता।

बेखौफ बदमाशों ने पुलिस पर फेंका मिर्च पाउडर, गिरफ्त से छुड़ा ले गए कुख्यात अपराधी

मुजफ्फरनगर : उत्तर प्रदेश में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां बेखौफ बदमाश पुलिस की गिरफ्त से एक कुख्यात अपराधी को छुड़ाकर ले गए. वहीं पुलिस इस मामले में अपराधियों को पकड़ने में नाकाम रही.

मामला मुजफ्फरनगर के जनसथ क्षेत्र का है. जहां कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने एक कुख्यात अपराधी रोहित सांडू को पुलिस हिरासत से छुड़ा लिया. पुलिस ने बुधवार को बताया कि हमलावरों ने रोहित के साथ चल रहे उप-निरीक्षक पर गोली चलाकर उसे गिरफ्त से छुड़ा लिया. दरअसल, रोहित सांडू को मंगलवार को अदालत में एक सुनवाई के लिए मुजफ्फरनगर लाया गया था. वापस ले जाते वक्त पुलिस जनसथ में रात को खाने के लिए एक ढाबे पर रुकी. तभी बंदूकधारियों ने इस वारदात को अंजाम दिया.

मौके पर मौजूद कॉन्स्टेबल अखिलेश सिंह ने बताया, 'खाना परोसते समय तीन से चार हथियारों से लैस लोग वहां आए और उन्होंने हम पर लाल मिर्च का पाउडर फेंका और गोलीबारी करना शुरू कर दी. इस दौरान हमलावरों पर हमने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलीबारी की लेकिन वे रोहित सांडू को साथ लेकर भागने में सफल रहे. घटना में उप-निरीक्षक दुर्ग विजय सिंह गोली लगने से घायल हो गए.'

वहीं इस घटना के बाद क्षेत्र में गैंगवार होने की संभावना बढ़ गई है क्योंकि सांडू पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक कुख्यात गिरोह के मुखिया सुशील मूछ का विरोधी है. मामले को लेकर मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक मिश्रा ने कहा, 'क्षेत्र में दबिश दी जा रही है और आस-पास के जिलों को भी सतर्क कर दिया गया है. हम रोहित सांडू को बहुत जल्द गिरफ्तार कर लेंगे'. बता दें कि पुलिस सूत्रों के मुताबिक राजस्व विभाग के एक अधिकारी प्रमोद शर्मा की हत्या के मामले में सांडू को नवंबर २०१५ में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था.

भारत में दिसंबर में देखा जा सकेगा साल का आखिरी सूर्य ग्रहण

नई दिल्ली : वर्ष २०१९ का दूसरा सूर्य ग्रहण और तीसरा ग्रहण दक्षिण अमेरिका, प्रशांत महासागर, दक्षिण मध्य अमेरिका, चिली और अर्जेंटीना में आज लगभग पांच घंटे के लिए होगा. भारतीय समयानुसार आज सूर्य और पृथ्वी के बीच चंद्रमा आ जाएगा, जिसके चलते सूर्य पूर्ण रूप से दिखना बंद हो जाएगा. हालांकि यह सूर्य ग्रहण केवल कुछ ही जगहों पर दिखाई देगा. भारत में सूर्य ग्रहण के समय रात होगी इसलिए यहां इसका कोई असर नहीं होगा. वहीं, सूर्य ग्रहण से पहले फिलीपींस के बोहोल प्रांत में मंगलवार को रिक्टर पैमाने पर ५.९ तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए. सोशल मीडिया पर कुछ लोग इसे सूर्य ग्रहण से जोड़कर भी देख रहे हैं, लेकिन इसकी कहीं भी कोई पुष्टि नहीं है. यह सिर्फ एक अफवाह है, जिसका ग्रहण से कोई ताल्लुक नहीं. फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सेस्मोलॉजी (फिवोल्क्स) ने यह जानकारी दी. समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, संस्थान ने कहा कि देर रात १२.५९ बजे लीला शहर से ४१ किलोमीटर दूर दक्षिण-पूर्व में ५५१ किलोमीटर की गहराई मे भूकंप आया. भूकंप में किसी के हताहत होने या किसी नुकसान की सूचना नहीं है. मालूम हो कि २०१९ का पहला पूर्ण सूर्य ग्रहण है, जबकि इससे पहले ६ जनवरी को आंशिक सूर्य ग्रहण हुआ था. इसके बाद अब १६ जुलाई को आंशिक चंद्र ग्रहण होगा. फिर २०१९ का आखिरी ग्रहण और तीसरा सूर्य ग्रहण २६ दिसंबर को होगा, जिसे भारत में देखा जा सकेगा. २६ दिसंबर को वलयकार सूर्य ग्रहण होगा.

पैसों के लालच में बेटी से कराई जिस्मफरोशी, प्रेग्नेंट नाबालिग ने दर्ज कराई FIR

गुजरात के अमरेली में एक लड़की के यौन शोषण का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां खुद माता-पिता ने पैसे के लालच में आकर अपनी नाबालिग बेटी को हवस के भूखे भेड़ियों के सामने परोस डाला. ये सिलसिला लगातार चलता रहा, जिसकी वजह से लड़की गर्भवती हो गई तो ये मामला पुलिस तक पहुंचा. अब मामले की जांच पड़ताल में जुटी है.

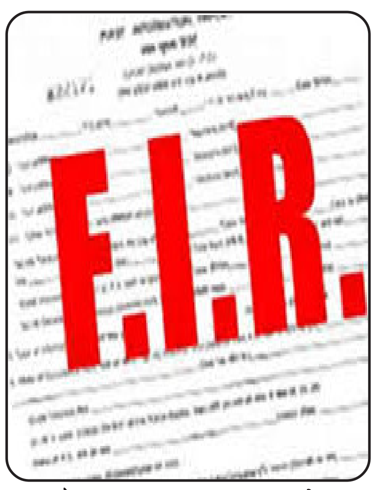

यह शर्मनाक घटना अमरेली के नांगधा गांव की है. जहां एक नाबालिग लड़की पुलिस थाने पहुंची और अपने माता-पिता के खिलाफ मामला दर्ज कराया. उसने पुलिस को बताया कि वह चलाला इलाके के नांगधा गांव में अपने माता-पिता के साथ रहती है. लड़की ने आरोप लगाते हुए पुलिस को बताया कि उसके माता-पिता ने पैसे के लालच में आकर उसे जिस्मफरोशी के धंधे में धकेल दिया. तीन माह तक कई लोगों ने उसके साथ संबंध बनाए, जिसकी वजह से वह गर्भवती हो गई. लड़की के मुताबिक उसके माता-पिता उसे डरा धमका कर देह व्यापार करवाते रहे. उसे कई लोगों के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया. जब वो गर्भवती हुई, तो उसने अपने माता-पिता के पुलिस को शिकायत दी. पुलिस ने लड़की की आपबीती सुनने के बाद फौरन आईपीसी की संबंधित धाराओं के साथ-साथ पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है. पुलिस ने लड़की का मेडिकल कराने के बाद उसे राजकीय बालिका सुधार गृह भेज भेज दिया है. जबकि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है.

प्रेम-प्रसंग के चलते कुल्हाड़ी मार कर हत्या, २ महिलाओं समेत ४ गिरफ्तार

नोएडा; उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां प्रेम-प्रसंग के कारण एक शख्स की कुल्हाड़ी मार कर बेरहमी से हत्या कर दी गई. नोएडा पुलिस ने इस मामले में २ महिलाओं समते कुल ४ लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक १० जून को मृतक के भाई हिमांशु तोमर ने नोएडा के सेक्टर ३९ थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसका भाई दो दिनों से लापता है. शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की तो उन्हें मृतक की कार एनटीपीसी के पास लावारिस हालत में खड़ी मिली.

इसके बाद पुलिस ने मृतक के कई दोस्तों से पूछताछ करनी शुरू की तो पता चला कि उसकी दोस्ती एक ऐसी महिला से थी जिसका पति आरोपी रिंकू उर्फ रंजीत मुजफ्फरनगर जिला जेल में बंद था. जब पुलिस ने मुजफ्फरनगर जेल से उसके बारे में जानकारी की तो पाया कि रंजीत को जमानत मिल गई है और वह जेल से बाहर निकल चुका है.

पुलिस ने जब मृतक की कॉल डीटेल चेक की तो उन्हें एक नया नंबर भी मिला, जिसके बाद पुलिस ने उस नंबर की जांच की. वो नंबर किसी दूसरी महिला का था, जब पुलिस ने जांच आगे बढाई तो पता चला कि दूसरी महिला आरोपी रंजीत के भाई की पत्नी है, उसके बाद पुलिस ने उस महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की तो सारा सच सामने आ गया.

आरोपी महिला ने पुलिस को बताया कि जब आरोपी रंजीत जेल से बाहर आया तो उसे पता चला कि उसकी पत्नी का किसी के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा है. इसके बाद उसने अपनी पत्नी के प्रेमी (मृतक सौरभ) को जान से मारने के लिए एक साजिश रची, साजिश के तहत उसने अपने भाई की पत्नी से कहा कि वो नाम बदल कर सौरभ से फोन पर बात करे और उसे दोस्ती का झांसा देकर हापुड़ के लोधीपुर गांव में बुला ले.

उसके भाई की पत्नी ने ठीक वैसे ही किया जैसे की रंजीत ने कहा था. सौरभ उस महिला की बात मान कर उससे मिलने लोधीगांव पहुंच गया, जहां सबने मिल कर सौरभ की कुल्हाड़ी से मार-मार कर हत्या कर दी और लाश को पिकअप वैन में डालकर गढ़मुक्तेश्वर की नहर में डाल दिया.

पुलिस ने इस मामले में अब तक आरोपी रंजीत के भाई, उसके दोस्त और २ महिलाओं को गिरफ्तार किया है, जबकि रंजीत पहले ही फरार हो गया था. जिसकी तलाश में पुलिस लगी हुई है.

पहले पूरे परिवार के खाने में मिलाई नींद की गोलियां, फिर प्रेमी संग मिलकर की ये करतूत

प्रेम प्रसंग में बाधा बनने पर बेटी ने ही अपने प्रेमी के साथ मिल कर पिता की हत्या कर दी। पिता सहित पूरे परिवार को नींद की गोली मिलाकर पहले सब्जी खिलाई और फिर रात में घर के बाहर सो रहे पिता की प्रेमी के साथ मिल कर हत्या कर शव को घर के बगल में गली में फेंक दिया था। मामले की जांच के दौरान बेटी की करतूत उजागर हो गई। इस पर पुलिस ने मंगलवार को सुबह १७ वर्षीया किशोरी के साथ उसके प्रेमी को भी गिरफ्तार कर लिया।

उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में पवई थाने के सौदमा गांव निवासी ५० वर्षीय श्यामनरायण मिश्रा पुत्र स्व.पारसनाथ मिश्रा २७ जून की रात में घर के बाहर सो रहे थे। इस दौरान धारदार हथियार से वार कर उनकी हत्या कर शव को घर के बगल में ही दो फुट की गली में फेक दिया गया था। शव पर घास-पूस रख दिया गया था। शव मिलने पर मृतक की पत्नी सुमन की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया। शक होने पर पुलिस ने परिवार में जांच पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने मृतक की बेटी और उसकी मां सहित परिवार और पड़ोस के लोगों से पूछताछ की। आखिरकार पूछताछ के बाद बेटी ने अपने ही पिता की हत्या में प्रेमी के साथ हाथ होने की बात स्वीकार की। एसपी यातायात मो.तारिक ने बताया कि हत्या के आरोप में मृतक की बेटी और पड़ोस के प्रेमी छोटू उर्फ अक्षय कुमार पुत्र उदयराज मिश्रा को मंगलवार को सुबह घर से गिरफ्तार कर लिया गया। पवई थाने के सौदमा गांव निवासी अक्षय कुमार अपनी प्रेमिका के पिता की हत्या करने के लिए घटना के दिन सुबह घर से अपनी बहन को लुधियाना पहुंचाने की बात कह कर निकला था। मगर बहन को ट्रेन पर बैठा कर रात में ही वापस आ गया था और हत्या करने के बाद पुन: लुधियाना चला गया था। पवई थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि सौदमा गांव निवासी श्यामनरायन मिश्रा की हत्या के आरोप में गिरफ्तारी बेटी और उसके प्रेमी अक्षय कुमार का घर अगल-बगल में ही है। पूछताछ में प्रेमी अक्षय कुमार ने खुलासा किया कि हम दोनों तीन साल से आपस में प्रेम कर रहे थे। घटना के दो दिन पूर्व प्रेमिका को उसके साथ आपत्तिजनक स्थिति में उसके पिता ने देख लिया था। इस पर मृतक श्यामनरायन ने अपनी बेटी को मारा-पीटा था और मिलने-जुलने पर रोक लगा दिया था। ऐसे में हम दोनों ने रास्ते से श्यामनरायन को हटाने के लिए हत्या की साजिश रची। घटना के दिन सुबह अक्षय कुमार अपनी बहन को लुधियाना पहुंचाने के लिए घर से निकला था। मगर अंबेडकर नगर जिले के मालीपुर स्टेशन पर बहन को ट्रेन पर बैठा कर रात में प्रेमिका के घर चला गया था। प्रेमिका को पहले से ही पूरे परिवार को सब्जी में मिला कर नींद की गोली खिलाने के लिए दिया था।

रात में पहुंचने पर योजना के तहत अक्षय ने हैंडपंप चलाई। आहट लगते ही उसकी प्रेमिका घर के अंदर से फावड़ा और खुर्पी लेकर आई। घर के बाहर सो रहे श्यामनरायन पर बेटी ने अपने प्रेमी के साथ वार कर मार डाला और शव को गली में ले जाकर रख दिया था। फिर अक्षय कुमार लुधियाना के लिए चला गया था। पवई थानाध्यक्ष ने बताया कि प्रेमिका के गिरफ्तार होने पर पुलिस का दबाव बढ़ते ही प्रेमी अक्षय कुमार भी सोमवार की रात में लुधियाना से घर आया और मंगलवार को सुबह उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। हत्या में प्रयुक्त फावड़ा और खुर्पी बगल में एक मड़ई से बरामद किया गया।

बदबू के कारण दोस्त को गले लगाने से किया मना तो घोंप दिया चाकू

बेंगलुरु : दो दोस्तों के बीच छोटी सी बात इतनी बढ़ गई कि नौबत चाकूबाजी तक पहुंच गई. मामला बेंगलुरु के मवल्ली इलाके की एलबीएफ रोड का है. रविवार रात एक दोस्त ने जब दूसरे को गले लगाने से मना किया तो उसने चाकू मारकर उसे घायल कर दिया. वजह सिर्फ इतनी थी कि बदबू के कारण पीड़ित अपने दोस्त को गले लगाना नहीं चाहता था. दो दोस्त शोएब पाशा और नबी मवल्ली रोड इलाके की एलबीएफ रोड पर मिले. जब नबी ने शोएब को गले लगाने की कोशिश की तो शोएब ने नबी को पीछे धकेल दिया और उसमें से आ रही बदबू पर टिप्पणी की. यह बात इतनी बढ़ गई कि नबी शोएब को गाली देने लगा. इसके बाद दोनों में झगड़ा हो गया. इस बीच नबी ने चाकू निकाला और शोएब के पेट में घोंप दिया. मामला यहीं नहीं थमा. जब घायल शोएब ने अपने भाई शाहिद को मदद के लिए घटनास्थल पर बुलाया तो नबी ने फरार होने से पहले उसे भी चाकू मार दिया.

मुताबिक, बेंगलुरु पुलिस ने इंडियन पीनल कोड की धारा ३०७ (हत्या की कोशिश) के तहत नबी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया. नबी एक ऑटोमोबाइल की दुकान पर काम करता है. उसे मंगलवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. जबकि शोएब और उसके भाई शाहिद का प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है. दोनों खतरे से बाहर हैं.

पिछले दिनों दिल्ली में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था. इस घटना में पुलिस ने दो नाबालिगों को दोस्त की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है. ये दोनों आनंद विहार इलाके से पकड़े गए थे. आरोप है कि दोनों ने अपने एक दोस्त की गला घोंटकर हत्या कर दी. यह घटना २७ जून की है. जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम नितिन है. उसके पास १० हजार रुपये थे, जो चोरी हो गए थे. नितिन को शक था कि पैसे दोनों नाबालिगों ने ही चुराए हैं. इस बात पर दोनों से नितिन का झगड़ा भी हो गया. इसके बाद नाबालिगों ने नितिन को मौत के घाट उतार दिया. नितिन इलाके का घोषित अपराधी था.

रात भर किया सफर और पहुंचे सिर्फ १३ किमी

मुंबई : भारी बारिश के कारण मुंबई बेहाल है। खतरा अभी भी टला नहीं है और मौसम विभाग ने बुधवार को फिर भारी बारिश की आशंका जताई है। रेल यात्रियों के लिए यह बारिश तो आफत लेकर आई है। इसकी बानगी देख सकते हैं जब रात भर चलने के बाद एक ट्रेन महज १३ किलोमीटर की दूरी तय कर पाई। ट्रेनों में फंसे यात्री बेजार हैं। मंगलवार को मुंबई आने-जाने वाली लंबी दूरी की १९ ट्रेनें रद्द हुईं तो ३ आंशिक रूप से रद्द थीं। कई को रीशेड्यूल किया गया। हालांकि, बुधवार को रेल यात्रा की स्थिति थोड़ी सुधरी है। मंगलवार को सस्पेंड हुई एसी लोकल सर्विस आज से बहाल हो गई है और वह तय समयसारिणी के हिसाब से चलेगी। ट्रेनों के लगातार लेट होने के चलते आस-पास के जिलों के लोगों के लिए मुंबई आना और यहां से वापस जाना चुनौती बन गया है। महाराष्ट्र के जलगांव के रहने वाले एक जूलर धनराज लूनिया और उनका परिवार मुंबई की बारिश और ट्रेन की लेटलतीफी की वजह से अपने रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में समय से नहीं पहुंच सके। दरअसल धनराज को अपनी भतीजी की आकस्मिक मृत्यु के बारे में पता चला तो तुरंत मुंबई की ओर रवाना हुए। लेकिन जैसे ही ट्रेन मुंबई के नजदीक पहुंची, भारी बारिश की वजह से यह लेट होती चली गई। नतीजा, जब तक वे मलाड स्थित अपने रिश्तेदार के यहां पहुंचे तब तक अंतिम संस्कार हो चुका था। धनराज ने बताया, 'वहां बारिश हो रही थी इसलिए मुंबई में रुकना किसी तरह उचित नहीं था। इसलिए हमने सोमवार रात को ही जलगांव वापस लौटने का फैसला किया। वह और उनके परिवार ने अमृतसर एक्सप्रेस से लौटने का फैसला किया जो रात साढ़े ग्यारह बजे छत्रपति शिवाजी टर्मिनस (सीएसटी) से छूटती है और सुबह सवा छह बजे जलगांव पहुंचाती है।' उन्होंने आगे बताया, 'एक बार फिर ट्रेन लेट हो रही थी इसलिए हमने तय किया कि हम सभी को झल्लाहट के बजाय सीट लेकर सो जाना चाहिए।' वह सुबह ६ बजे उठे तो देखा कि ट्रेन रुकी हुई थी। उन्हें लगा कि जलगांव आ गया है। उन्होंने बाकी लोगों को उठाया और उतरने के लिए तैयार होने को कहा लेकिन कुछ देर बाद पता चला कि ट्रेन सिर्फ सायन ही पहुंची है। बता दें कि सीएसटी से सायन के बीच की दूरी केवल १३ किलोमीटर है।

'मीरा-भाईंदर डूबता रहा, महापौर छुट्टियां मनाती रहीं'

मुंबई : विपक्ष ने आरोप लगाया है कि जब मीरा-भाईंदर डूब रहा था, तब महापौर डिंपल मेहता अपने परिवार के साथ गुजरात के गिरनार में छुट्टियां मना रही थीं। जहां इस आपदा की घड़ी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से लेकर सभी अधिकारी और मनपा आयुक्त ने कमर कस रखी है, वहीं डिंपल मेहता, विधायक नरेंद्र मेहता गिरनार में छुट्टियां मना रहे थे। महापौर परिवार के साथ १ जुलाई की दोपहर वापस लौटीं। मीरा-भाईंदर में २ दिन में ३७५ मिलीमीटर बरसात दर्ज की गई। शहर में ७२ जगहों पर पंपिंग की व्यवस्था की गई है और १३ आपदा व्यवस्थापन दल का गठन किया गया है। उत्तन, भाईंदर पश्चिम, बीपी रोड, नवघर रोड सहित मीरा रोड कई जगहें जलमग्न थीं। मीरा-भाईंदर में करंट ने भी कहर बरपा रखा है। बीते ३ दिनों में करंट लगने से ४ लोगों की मौत हो गई, तो एक व्यक्ति बाल-बाल बच गया। करंट से ३ कुत्तों की भी मौत हुई है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अंकुश मालुसरे ने कहा कि इसे असंवेदनशीलता कहते हैं। शहर में लोग परेशान हैं और विधायक तथा महापौर मौज कर रहे हैं।

जानलेवा बरसात की दर्दनाक कहानियां

शिवशंकर तिवारी

मुंबई । मुंबई में बारिश जानलेवा साबित होने लगी है। अब तक ३६ जानें जा चुकी हैं। मलाड सब-वे में तो गाड़ी पानी में समा गई और २ लोगों की उसके अंदर दम घुटने से मौत हो गई। मुंबई में बारिश की कई दर्दनाक कहानियां सामने आ रही हैं। मलाड सबवे में कई फीट तक पानी भर जाने से एक एसयूवी के अंदर फंसे दो लोगों की दम घुटने से जान चली गई। दोनों मंगलवार से ही गाड़ी में फंसे थे। जब बुधवार सुबह ४:३० बजे फायर ब्रिगेड ने कांच तोड़ा तो इरफान खान और गुलशाद शेख मृत मिले। पुलिस ने बताया कि सबवे में जाते वक्त उन्हें पानी की गहराई की अंदाजा नहीं लगा। अंदर जाने पर उनकी गाड़ी खराब हो गई और वे सबवे से बाहर नहीं निकल सके। ऑटो लॉक के कारण गाड़ी बंद हो गई। उनके परिवारों ने आरोप लगाया है कि शेख और खान को बचाने में पुलिस और फायर ब्रिगेड के बीच बहस के कारण देरी हुई। इरफान ड्राइविंग का काम करते थे और वह गाड़ी उनके मालिक की थी। उनके परिवार में पत्नी और पांच बच्चे हैं।

बता दें कि भारी बारिश के बाद मलाड के कुरार इलाके में दीवार गिरने से हुए हादसे में मरने वालों की तादाद १८ पहुंच चुकी है। वहीं, ६० से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों का जोगेश्वरी के ट्रॉमा केयर हॉस्पिटल, केईएम हॉस्पिटल, कांदीवली के शताब्दी हॉस्पिटल, मलाड के एमडब्ल्यू देसाई हॉस्पिटल और अंधेरी के कूपर अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर मौजूद है और राहत कार्य चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मृतकों के परिजनों को ५-५ लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है।

सोलापुर की रहने वाली दिहाड़ी मजदूर नगूबाई जाधव अपने बेटी के साथ मुंबई आई थीं। किडनी और आंखों की समस्या से जूझ रहीं नगूबाई को मोतियाबिंद का इलाज कराना था। सोलापुर में मॉनसून अभी पहुंचा नहीं है। ऐसे में पहले उन्हें मुंबई का मौसम देख खुशी हुई लेकिन जब वह कुर्ला के नेहरू नगर में फंस गईं तो वह वापस जाने की कोशिश करने लगीं।

नगूबाई को सांताक्रूज में अपने रिश्तेदार के घर से कलीना स्थित अस्पताल जाना था। वह ७ बजे के अपॉइंटमेंट के लिए सुबह ६ बजे निकलीं। किसी तरह अस्पताल पहुंचीं तो पता चला कि अस्पताल बंद है। उनकी बेटी अपनी ६ साल की बच्ची से शाम तक लौटने का वादा करके आई थीं। अस्पताल बंद देखकर मां-बेटी नेहरू नगर में एसटी बस डिपो के लिए निकलीं लेकिन रिक्शा उन्हें सिर्फ कुर्ला वेस्ट में छोड़ सका क्योंकि आगे पानी भरा था।

किसी तरह वे पानी में बिजली के तारों, जानवरों और गड्ढों से बचते हुए नेहरू नगर में बस अड्डे पर पहुंचीं। वहां एक रिपोर्टर ने उन्हें देखा तो चिंता से नगूबाई की आंखें भर आई थीं। दोनों ने सुबह से कुछ नहीं खाया था और उनके पास सिर्फ बस के टिकट के पैसे थे। रिपोर्टर ने उन्हें खाना खिलाया और बस डिपो में छोड़ा। हालांकि, बाद में पता चला कि सारी बसें कैंसल थीं।

तन्मय नंदा वीरा देसाई रोड स्थित अपने घर से अपनी बेटी के लिए दूध लाने निकले। रास्ते में उनका पैर खुले हुए मेनहोल में पड़ गया। उनकी ही तरह पत्रकार आशीष घोरपड़े ऑफिस जाते वक्त अंधेरी के मेनहोल में फिसल गए। हालांकि, दोनों लोगों ने तत्परता दिखाते हुए मेनहोल के किनारे को पकड़कर रखा और उसके सहारे बाहर निकल आए। नंदा ने बताया कि उन्हें नहीं पता था कि मेनहोल का फाइबर का ढक्कन टूटा है। ऐसे चार मेनहोल खुले थे और बाद में सभी को बंद कर दिया गया। आशीष ने बताया, 'ऑफिस के पास ही मैं अंदर गिर गया। पानी मेरी नाक तक था लेकिन मैं बाहर निकल आया। हम मेनहोल में गिरकर मारे गए लोगों की खबरें कवर करते हैं। इस बार, मेरी बारी थी।'

गोपाल जीवित होता तो परिजनों के साथ सोमवार को शादी की तीसरी सालगिरह मना रहा होता, लेकिन नियति को यह मंजूर नहीं था। परिजनों का कहना है कि उसकी मौत देना बैंक की लापरवाही से हुई है। गोपाल विलेपार्ले में एक पेट्रोल पंप पर कई साल से काम कर रहा था। सोमवार शाम काम खत्म कर वह पोयसर के लिए निकला। रास्ते में शारदा भवन के पास देना बैंक के गेट सटकर बिजली का नंगा तार लटक रहा था, जिसकी जद में आकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने जेब से आईडी कार्ड से गोपाल की शिनाख्त की।

परिजनों के अनुसार २३ वर्षीय गोपाल के घर में उसकी शादी की सालगिरह की तैयारी चल रही थी। सारे इंतजाम हो चुके थे। वह वादे के मुताबिक पत्नी के लिए पसंद की साड़ी लेकर आ रहा था। बेटे की पसंद का केक आ गया था लेकिन, उसके घर पहुंचने से पहले मौत की खबर आ गई। खबर मिलते ही पोयसर की विमलादेवी चॉल में मातम छा गया। गोपाल की मौत की खबर सुनकर पत्नी बेहोश हो गई और बेटा अब भी पिता के घर आने के इंतजार में है। अंधेरी ईस्ट के संघर्ष नगर में चार इमारतों से करीब २०० परिवारों को सोमवार रात बचाकर निकाला गया। एक निर्माणाधीन स्थल पर सड़क ढहने के बाद यह किया गया। इन इमारतों में रहनेवाले लोगों का कहना है कि शापूरजी पल्लोंजी बिल्डर के निर्माणकार्य की वजह से उनकी इमारतों की नींव कमजोर हो सकती हैं। आरोप है कि प्रॉजेक्ट शुरू होने से तूफान के पानी के लिए बनी नालियां ब्लॉक हो गई हैं। इस कारण सोमवार रात को पानी बाहर नहीं निकला और २५ मीटर चौड़ा और २५ मीटर गहरा गड्ढा हो गया। घटना में किसी को चोट नहीं आई है।

बंदूकधारी ने लाहौर एयरपोर्ट पर की फायरिंग, २ लोगों की मौत

सऊदी अरब से उमरा करके वापस लौटे दो पाकिस्तानियों की रंजिश के चलते लाहौर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गोली मार कर हत्या कर दी गई। घटना से हवाई अड्डे के लाउंज में मौजूद सैकड़ों लोगों में दशहत फैल गई। समाचार पत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने पुलिस के हवाले से बताया कि इन लोगों की लाहौर के अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के अंतरराष्ट्रीय आमद लाउंज में सुबह १० बजे हत्या कर दी गई।

इस घटना में एक व्यक्ति घायल भी हो गया। खबर में बताया गया कि हवाई अड्डा सुरक्षा कर्मियों ने घटना के संदिग्धों अरशद और शान को हिरासत में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि संदिग्ध एक टैक्सी से हवाई अड्डे पहुंचे थे। निजी रंजिश के कारण इस घटना को अंजाम दिया गया। खबर में कहा गया कि गोलियां चलने से लाउंज में मौजूद सैकड़ों लोगों में भय व्याप्त हो गया। परिसर की सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में पुलिसबल हवाई अड्डे पर पहुंच गया है। फॉरेंन्सिक टीम घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। हवाई अड्डे का प्रवेश और निकास द्वार बंद कर दिया गया है।

लीबिया में प्रवासियों के केन्द्र पर हवाई हमला, ४० लोगों की मौत

लीबिया की राजधानी त्रिपोली के नजदीक अवैध प्रवासियों के एक केन्द्र पर हुए हवाई हमले में कम से कम ४० लोगों की मौत हो गई, जबकि ८० अन्य लोग घायल हो गए। समाचार एजेंसी रॉयटर ने लीबिया के स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से इस बात की जानकारी दी। इस हमले के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

एंड्रॉयड का आविष्कारक चलाता था सेक्स रैकेट,रुबिन की पत्नी के सनसनीखेज आरोप

मोबाइल दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय ऑपरेटिंग सिस्टम एंड्राइड के निर्माता एंडी रुबिन ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगने के बाद नौकरी छोड़ने के लिए गूगल से मिले ९० मिलियन डॉलर के पैकेज को अपनी अलग रह रही पत्नी से छिपाया था। मीडिया रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। कैलिफोर्नियां के सेन मेटियो में दायर सिविल केस में रुबिन की अलग रह रही पत्नी रिए हीराबरु रुबिन ने यह आरोप लगाया है कि वे और उनके पूर्व अटॉर्नी षडयंत्र रचते हुए शादी से पहले शादी पूर्व समझौते पर दस्तखत करने के लिए उन्हें मनाया। वह 'पत्र पति के किसी भी वित्तीय लाभ को उसे साझा करने से रोकता है।' मंगलवार को ँदैंइा् की तरफ से सबसे पहले यह खबर दी गई कि मुकदमे में यह आरोप लगाया गया कि एंडी ने अपनी पत्नी से आय छिपाई और कमाई के स्त्रोत और परिवार के पास जितने पैसे थे और जो खर्च किए गए थे उसके बारे में पूरी तरह से उसे अंधेरे में रखा। मुकदमें में यह भी आरोप लगाया गया है कि एंडी सेक्स रैकेट चलाता था। इसमें कहा गया कि उसके कम से कम छह महिलाओं के साथ संबंध थे। एंडी की पत्नी ने यह भी आरोप लगाया कि अक्टूबर २०१४ में नौकरी छोड़ने से पहले उन्होंने एक अलग एकाउंट खुलवाया था ताकि अपनी कमाई के पैसे उसमें रख पाएं और अन्य महिलाओं को उन्होंने हजारों डॉलर पेमेंट्स किए।

करंट लगने से पावर लूम मजदूर की मौत

भिवंडी : कल्याण रोड स्थित दिनेश गाला के पावर लूम कारखाने में मुकादम का काम करने वाले मजदूर फूलचंद यादव की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, बंद पड़े पावर लूम की मरम्मत के दौरान यादव को करंट लगा था। बेहोशी की हालत में उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बता दें कि यहां काम करने वाले मजदूरों ने पावर लूम मालिक के विरुद्ध मजदूरों की सुरक्षा के लिए कोई उपाय न करने के कारण हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है।

ठाणे पुलिस ने चोरी का सामान लौटाया

ठाणे : न्यायालय के आदेश के बाद ठाणे पुलिस के जोन ५ की तरफ से विभिन्न मामलों में जब्त किया गया १ करोड़ ४ लाख ५५ हजार रुपये का सामान उनके मूल मालिकों को लौटाया है। जो सामान लौटाया गया है, उनमें ३१ लाख ७७ हजार मूल्य के ८४ तोला सोने के गहने, १५६ मोबाइल फोन, १६ मोटरसाइकल, ९ चार पहिया वाहन और २ लैपटॉप शामिल हैं। उपायुक्त अविनाश अंबुरे ने यह सामान लोगों को सौंपा।

बारिश से परेशान हुए पशु पक्षी, कइयों को बचाया गया

मुंबई : महानगर में हुई भारी बारिश के चलते इंसान सहित पशु-पक्षी भी प्रभावित हुए हैं। जानवरों के लिए काम करने वाली संस्थाओं के अनुसार, शुक्रवार से मंगलवार तक कुत्ते, बिल्ली सहित, सांप और कुछ विशेष पक्षियों को मुंबई और ठाणे से बचाया गया। रेस्क्यू असोसिएशन फॉर वाइल्ड लाइफ वेलफेयर के संस्थापक पवन शर्मा ने कहा कि गुरुवार रात से जारी भारी बारिश के कारण हमने १५ जानवरों और पक्षियों को पानी से बचाया। शुक्रवार से बारिश की धार तेज होने के साथ ही इससे प्रभावित होने वाले जानवरों की संख्या भी बढ़ने लगी और रविवार तक ४० जानवरों और पक्षियों को रेस्क्यू किया गया। बचाए गए पक्षियों और जानवरों में प्लेमिंगो, कोयल, उल्लू सहित कई प्रजाति के सांप शामिल रहे। एक अन्य संस्था ने बताया कि बारिश में फंसे दो कुत्ते और बिल्ली को भी बचाया गया। पवन ने बताया कि रेस्क्यू किए गए पक्षियों और जानवरों में से कुछ का इलाज चल रहा है, जबकि कुछ वापस उनके क्षेत्र में छोड़ दिया गया।

छेड़छाड़ के बाद नाबालिग ने १२ साल की लड़की को ८वीं मंजिल से फेंका, हिरासत में

मुंबई : पुलिस ने मंगलवार को १५ साल के एक लड़के को हिरासत में लिया है। उस पर १२ साल की एक लड़की के साथ छेड़छाड़ करने और उसे गोरेगांव स्थित इमारत की ८वीं मंजिल से धक्का देकर गिराने का आरोप है। लड़की गंभीर रूप से घायल है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना शनिवार २९ जुलाई की है। पीड़िता की ८ साल की बहन इस मामले की चश्मदीद थी इसलिए उसकी दी गई जानकारी के आधार पर पुलिस ने आरोपी नाबालिग को पकड़ा। पुलिस के अनुसार, लड़के पीड़िता के साथ आपत्तिजनक हरकतें कर रहा था, विरोध करने पर उसने लड़की को धक्का दे दिया। लड़की के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। चूंकि लड़का और लड़की दोनों ही नाबालिग हैं इसलिए दोनों के नाम और पहचान उजागर नहीं किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी लड़के के पैरंट्स

को अपराध को छिपाने और सबूतों को नष्ट करने के जुर्म में अरेस्ट कर लिया है। आरोपी नाबालिग ने पुलिस को बताया कि जब उसने अपने पैरंट्स को घटना के बारे में बताया तो उन्होंने उसे एक रिश्तेदार के यहां भेज दिया। साथ ही लड़के के फोन से पीड़िता और उसके बीच हुई बातचीत के सारे मेसेज भी डिलीट कर दिए। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर विजयलक्ष्मी हीरेमठ ने बताया कि पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरा फुटेज से पता चला है कि शनिवार शाम को जब लड़की कुछ खरीदने बाहर निकली तो आरोपी लड़का भी उसके पीछे जा रहा था। हीरेमठ का कहना है कि लड़के ने स्वीकार किया है कि वह पीड़िता को सुनसान क्षेत्र में ले गया था, वहां दोनों के बीच झगड़ा हआ इसके बाद उसने लड़की को ऊपर से धक्का दे दिया। लड़की की मेडिकल जांच में उसके पेट पर निशान, उसकी दाहिनी भौं पर कट और चेहरे, गर्दन, छाती और पेट पर खरोंच के निशान मिले हैं। लड़के के ऊपर आईपीसी के तहत हत्या की कोशिश और यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज हुआ है साथ ही पॉक्सो ऐक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़िता के चाचा ने शिकायत की थी कि आरोपी के माता-पिता उन्हें धमका रहे हैं, इसलिए उनके खिलाफ धमकी के आरोप भी जोड़े गए हैं।

मुंबई के समाजसेवी और अग्रोहा विकास ट्रस्ट, मालाड के वरिष्ठ कार्यकर्ता बी.आर. कुमार का सांसद गोपाल शेट्टी के हाथों नागरिक सम्मान किया गया। इस अवसर पर विधायक अतुल भातखलकर, समाज कल्याण मंत्री विद्या ठाकुर और विधायक मनीषा चौधरी भी उपस्थित थीं।

ऐंटी करप्शन ब्यूरो ने 2 साल पहले मांगी थी जांच की इजाजत, सरकार ने अभी तक नहीं दिया जवाब

वी. बी. मानिक

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार के गृह मंत्रालय ने ऐंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के एक खत को पिछले दो साल से लटका कर रखा है। एसीबी ने महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास प्राधिकरण के मैनेजिंग डायरेक्टर राधेश्याम मोपलवार और लोकनिर्माण विभाग के तत्कालीन प्रमुख सचिव आशीष कुमार सिंह के खिलाफ जांच की इजाजत मांगी थी। गृह मंत्रालय ने अब तक न ही इजाजत दी है और न ही मांग को खारिज किया है। एसीबी ने फरवरी २०१७ में गृह मंत्रालय को खत लिखकर दोनों अधिकारियों के अलावा उन आरोपों की जांच की मांग भी की थी जिनके मुताबिक नासिक जिले में मुंबई-नागपुर सपरकम्यूनिकेशन हाइवे के लिए कुछ खास अधिकारियों को फायदा मिलने की बात कही गई थी। इन अधिकारियों ने प्रॉजेक्ट की जमीन के पास ही जमीन खरीदी थी। यह जानकारी वकील और सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण वटगांवकर को सूचना का अधिकार के तहत पता चली थी। सितंबर २०१६ में कृषि संगठन शेटकरी संघर्ष समिति की मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की बैठक में यह मांग की गई थी कि प्रॉजेक्ट का खांचा इस तरह से तैयार किया जाए कि कम से कम किसान प्रभावित हों। यह आरोप भी लगाया गया था कि मौजूदा प्रॉजेक्ट को इस तरह डिजाइन किया गया है जिससे कुछ सरकारी अधिकारियों का फायदा हो। फडणवीस ने तब मोपलवार और सिंह से प्रॉजेक्ट की रेखा को दूसरी तरह से तय करने के विकल्पों को देखने के लिए कहा था। यह मुद्दा विधानसभा के शीतसत्र में उठाया गया था।

मुद्रक, प्रकाशक - मंजू दीनानाथ तिवारी, स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस गाला नं.3-4, अमीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 से मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज, मालाड (पूर्व), मुंबई-97 से प्रकाशित। संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी Mob. : 9004162915 / 70391 43986
RNI.No.:MAHHIN/2009/35355 संपर्क : टेलीफैक्स 022-29656280, मो. 9821287905, 9322248353-9167009629 Email : metrodinank@gmail.com